अमर उजाला

बरेली
सोमवार, 26 जून 2023
आषाढ़ शुक्ल अष्टमी
विक्रम संवत 2080

PAGE NO : 06 BOTTOM

रिद्धिमा में सुर व साज की जुगलबंदी से सजी शाम

कार्यक्रम में प्रस्तुति देते कलाकार । विज्ञप्ति

स्वर श्रृंगार कार्यक्रम में विद्यार्थियों ने बिखेरे संगीत के रंग

संवाद न्यूज एजेंसी

बरेली। एसआरएमएस रिद्धिमा में रविवार की शाम सुरों की जुगलबंदी के नाम रही। शास्त्रीय संगीत को बढ़ावा देने के लिए आयोजित स्वर श्रृंगार कार्यक्रम में संगीत के विद्यार्थियों ने अपने कौशल का प्रदर्शन किया। गायन गुरु और अतिथि गायकों ने भी उनका साथ निभाया।

विद्यार्थी अतिशय गोयल ने राग यमन में मोहन मुरली अधर बजाओ... की प्रस्तुति देकर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। पंखुड़ी गुप्ता ने लट उलझी सुलझाओ बालमा... गाया तो सभागार तालियों की गड़गड़ाहट से गूंज उठा।

शताक्षी अग्रवाल ने राग भोपाली में प्रस्तुति दी। गायन विद्यार्थी और एसआरएमएस ट्रस्ट के प्लेसमेंट डायरेक्टर डॉ. अनुज कुमार ने राग भैरवी पर श्याम सुंदर मदन मोहन... गाया।

अतिथि गायक डॉ. वंदना खन्ना ने देवा-देवा... और अतिथि इंदु ने राग शिव रंजनी में लाखों न लाखों... की प्रस्तुति दी। गायन गुरु स्नेह आशीष दुबे और आरुषि मजूमदार ने भी श्रोताओं को खूब लुभाया।

बांसुरी पर चंद्रमोहन, वायलिन पर डॉ. विजय शंकर चौबे और सूर्यकांत चौधरी, तबला पर पुष्पेंद्र और सावन कुमार केवट, हारमोनियम पर टुकुमनी सेन, सितार पर कुंवर पाल, सारंगी पर उमेश मिश्रा, संतूर पर आशीष टोनी ने संगत की। एसआरएमएस ट्रस्ट के संस्थापक और चेयरमैन देवमूर्ति, आशा मूर्ति, आदित्य मूर्ति, सुभाष मेहरा आदि मौजूद रहे।